



# Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 49-2024] CHANDIGARH, TUESDAY, DECEMBER 3, 2024 (AGRAHAYANA 12, 1946 SAKA)

## PART-I

### Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 22 नवम्बर, 2024

**संख्या 12/250-चौधरी काशीराम की हवेली एवं कचेहड़ी-2024/पुरा/4015-21.**— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/250-चौधरी काशीराम की हवेली एवं कचेहड़ी -2024/पुरा/2848-55, दिनांक 6 अगस्त, 2024 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में यथा विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं:-

#### अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/ शहर का नाम	तहसील/ जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल-मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
चौधरी काशीराम की हवेली तथा कचेहरी 19वीं शताब्दी पूर्व	चौधरी काशीराम की हवेली तथा कचेहरी 19वीं शताब्दी पूर्व	होडल	पलवल	लाल डोरा (नगर परिषद)	हवेली पूर्व- 83 फुट पश्चिम-85 फुट उत्तर-123-3 फुट दक्षिण-123-3 फुट कचेहरी पूर्व-13 फुट पश्चिम-13 फुट उत्तर-60 फुट दक्षिण-60 फुट	नगर परिषद	चौधरी काशी राम की हवेली और निकटवर्ती कोर्ट हाउस (कचेहरी) के खंडहर जिनको इज्लास खास के नाम से जाना जाता है, दोनों का निर्माण चौधरी काशीराम ने लगभग 1750 ई. में करवाया था। हवेली की बची हुई आंतरिक दीवारों, चिनाई वाले स्तंभों और ऊंचे अग्रभाग पर बेहतरीन पत्थर की नक्काशी है। ये सभी उस समय बौसी पहाड़पुर और धौलपुर की खदानों से बैलगाड़ियों में लाए गए पत्थर के भारी ब्लॉकों से बने हैं। ये दोनों इमारतें अधुआ पट्टी में एक ऊंचे मैदान पर स्थित हैं, जिनसे काशी राम संबंध रखते थे।

कला रामचंद्रन,  
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,  
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

**HARYANA GOVERNMENT**  
**HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT**

**Notification**

The 22nd November, 2024

**No. 12/250-Haveli of Chowdhury Kashi Ram and old Kacheri-2024/pura/4015-21.**— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government, Heritage and Tourism Department, notification No. 12/250- Haveli of Chowdhury Kashi Ram and old Kacheri - 2024/Pura/2848-55, dated the 6th August, 2024, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area:-

**SCHEDULE**

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district	Revenue Khasra/ Kila number under protection	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Haveli of Chowdhury Kashi Ram and old Kacheri, Hodal, 19th Century CE	Haveli of Chowdhury Kashi Ram and old Kacheri, Hodal, 19th Century CE	Hodal	Palwal	Lal Dora (Municipal Council)	Haveli East- 83 ft. West- 85 ft. North- 123-3 ft. South- 123-3 ft. Kacheri East- 13 ft. West- 13 ft. North- 60 ft. South- 60 ft.	Municipal Council	The ruins of a <i>Haveli</i> of Chowdhury Kashi Ram and the adjoining Court House (Kacheri), known as Ijlas Khas, were built by Chowdhury Kashi Ram around 1750 CE.  The Haveli has fine stone carvings on the surviving interior walls, masonry columns, and a high façade. All of them are made of heavy blocks of stone brought in bullock carts in those times from Bausi Paharpur & Dhaulpur mines. Both the buildings are situated on an elevated ground in Andhua Patti, to which Chowdhury Kashi Ram belonged.

KALA RAMACHANDRAN,  
Principal Secretary to Government, Haryana,  
Heritage and Tourism Department.